NH-29

बर्डवॉचिंग : पक्षी प्रेमी की हॉबी

बर्डवॉचिंग या बर्डिंग का अर्थ है वन्यजीव को निहारना। पक्षियों को देखना, निहारना एक मनोरंजनात्मक हॉबी है। इसे नागरिक विज्ञान भी कहते हैं। पक्षियों को आँखों से, दूरबीन और बैनॉकुलर की मदद से ज़ूम करके करीब से देखा जाता है। बर्डवॉचिंग में पक्षी प्रजातियों को आँखों से देखने की तुलना में उन्हें आसानी से कानों से सुनकर पता लगाया जाता है और पहचाना जाता है। बर्डवॉचिंग में अधिकतर बर्डवॉचर को प्राकृतिक वातावरण में पक्षियों की झलक पाने के लिए जंगलों में घंटों तक मीलों दूर दूर चलना पड़ता है अथवा उनकी तलाश में जलाशय के इर्द-गिर्द अथवा बाग-बगीचे में टहलना होता है। बर्डवॉचिंग, पक्षी विज्ञान से अलग है। पक्षी विज्ञान में पक्षी वैज्ञानिक पक्षियों का अध्ययन करते हैं।

फ्रांसीसी दार्शनिक हेनरी बर्गसन की एक प्रसिद्ध कहावत है : आँखें वही देखती हैं, जो मस्तिष्क समझने को तैयार है।

अक्तूबर 2016 के महीने में महाराष्ट्र के अहमदनगर में पहली बार जब मैंने अपने घर के पास एक बरगद के पेड़ पर कॉपरस्मिथ बारबेट (1) पक्षी को देखा, तो मैं अवाक रह गई। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि मेरे इतने करीब इतना सुंदर और रंगीन पक्षी होगा। मैंने जीवन के इतने वर्षों में ऐसा पक्षी कभी नहीं देखा था। तब मैंने कौवे, मैना, चिड़ियों के अलावा टेलर बर्ड, बया वीवर, इंडियन रॉबिन, ओरिएंटल मैगपाई-रॉबिन आदि पक्षियों को अपने आसपास देखना, निहारना शुरू किया।

मुझे लगा कि मैं इतने वर्षों से आँखें मूंदकर जी रही थी और अचानक आज इन पक्षियों ने मेरी आँखें खोल दी है और मुझे हर तरफ सुंदरता ही सुंदरता नजर आ रही है।

उस समय, मैं बैंक की एमआईडीसी अहमदनगर शाखा में कार्यरत थी। शाखा परिसर और उसके आसपास के क्षेत्र में कई पेड़-पौधे और झाड़ियाँ थी। अतः मैंने रविवार को अपनी शाखा के पास पक्षियों को निहारना आरंभ किया। पक्षियों के लिए साल का वह मौसम था, जब वे ऋतु परिवर्तन पर स्थान छोड़कर जाते हैं।

दिसंबर 2016 से मार्च 2017 के बीच मैंने अपनी शाखा के पास उन बहुत ही निराले प्रवासी पक्षियों की तस्वीरें खींची, जो हिमालय क्षेत्र से उड़कर आते हैं जैसे अल्ट्रामरीन फ्लाईकैचर (2), वेर्डिटर फ्लाईकैचर (3), कैनरी-फ्लाईकैचर (4), रेड-ब्रेस्टेड फ्लाईकैचर (5), टैगा फ्लाईकैचर, व्हाइट-ब्राउड फैनटेल आदि।

लेकिन, मैं जीवन में इंडियन पैराडाइज फ्लाईकैचर (6) को देखने के अनुभव को कभी नहीं भूल सकती। रविवार का दिन था। मैं सुबह अपनी शाखा की छत पर थी। मैंने पास के पेड़ पर कुछ सफेद चमक देखी और धीरे-धीरे चुपचाप उस पेड़ के पास गई, तो देखा कि

रेड-ब्रेस्टेड फ्लाईकैचर (5)

इंडियन पैराडाइज फ्लाईकैचर(6)

वहाँ पैराडाइज पक्षी है, जो मेरी ओर ही देख रहा था। इस सुंदर पंछी को देखकर मैं इतनी अचंभित हुई कि मैं फोटो खींचना भूल गई। बस

कॉपरस्मिथ बारबेट (1)

अल्ट्रामरीन फ्लाईकैचर (2)

वेर्डिटर फ्लाईकैचर (3)

कैनरी फ्लाईकैचर (4)

Generated from eOffice by SUNITA AGNIHOTRI, ASO(PATRIKA) SA, ASSISTANT SECTION OFFICER, Department of Official Language on 09/11/2022 10:44 AM

File No. 11014/7/2022-रा.भा.(प) (Computer No. 5092)
45824/2022/PATRIKA SECTION

ग्रेटर फ्लेमिंगो (7)

बार-हेडेड गूज (8)

चिड़िया को देखते-देखते अचानक से जब कुछ शॉट (फोटो) लेने की याद आई, तो चिड़िया उड़ गई। तभी मुझे एहसास हुआ कि मैंने अचंभे में इतनी देर तक अपनी सांस को रोक रखा है। वहाँ अपनी आँखें मूँदे बैठकर उस पक्षी की सजीव छवि मस्तिष्क में देखकर पूर्ण आनंद की अनुभूति हुई, जिसकी तुलना इस संसार में किसी से नहीं की जा सकती।

इस तरह बर्डिंग मेरे अस्तित्व की ध्यानस्थ-मनोदशा बनने लगी। जब मैं अपने बर्डवॉचिंग मोड में होती हूँ, तो मैं अपनी सारी चिंताओं को भूल जाती हूँ और मैं पूरी दुनिया से बेखबर हो जाती हूँ। केवल मैं और मेरे पक्षी होते हैं। मैं 2016 से केवल इस कारण से बर्डिंग को अपनाया है कि पक्षी मुझे खुश करते हैं। कई मौकों पर इन पक्षियों ने मुझे तनाव से उबरने में मदद की।

यहाँ तक कि नैशनल ऑडुबॉन सोसायटी, एक अमेरिकी गैर-लाभ पर्यावरण संगठन जो पक्षियों और उनके प्राकृतिक-वास के संरक्षण के लिए समर्पित है, का अध्ययन दर्शाता है कि बढ़ती उम्र में कैसे पक्षियों से हमारा स्वास्थ सुधरता है और वे हमारी मायूसी की एक दवा हैं।

मैंने पक्षियों की तलाश में कुछेक स्थानों की यात्रा की। ग्रेटर फ्लेमिंगो (7) और बार-हेडेड गूज (8) को देखने के लिए मैंने 2017, 2018 और 2019 में भिगवण पक्षी अभयारण्य, महाराष्ट्र की सैर की।

एमराल्ड डोव (9), फ्लेम-थ्रोटेड बुल्बुल (10), व्हाइट-बेली ब्लू फ्लाईकैचर (11) आदि देखने के लिए 2018 और 2020 में ओल्ड मैगजीन हाउस, दांडेली, कर्नाटक की यात्रा की।

कोटागिरी, तमिलनाडु की एक यात्रा से मेरी जीवन सूची में कुछ दुर्लभ और सुंदर पक्षी सम्मिलित हो गए जैसे नीलगिरी लाफिंग थ्रश (12), नीलगिरीशोलाकिली (13), कश्मीर-फ्लाईकैचर (14), ब्लैक-एंड-ऑरेंज-फ्लाईकैचर (15) आदि।

पक्षियों को खोजने के लिए कहीं दूर जगहों की यात्रा करने की आवश्यकता नहीं है। हम जहाँ रहते हैं, वहीं उन्हें देख सकते हैं जैसे हमारे शहर के बाहरी इलाके में, झीलें जो पक्षियों का बहुत प्रिय प्राकृतिक-वास स्थान है। मैं ईबर्ड का प्रयोग करती हूँ। यह एक ऐसा ऑनलाइन डेटाबेस है, जिसमें एक चेकलिस्ट के रूप में दुनिया भर के पक्षी प्रेमियों से जानकारी

एमराल्ड डोव (9)

फ्लेम-थ्रोटेड बुलबुल (10)

व्हाइट-बेली ब्लू फ्लाईकैचर (11)

नीलगिरी लाफिंग थ्रश (12)

Generated from eOffice by SUNITA AGNIHOTRI, ASO(PATRIKA) SA, ASSISTANT SECTION OFFICER, Department of Official Language on 09/11/2022 10:44 AM

File No. 11014/7/2022-रा.भा.(प) (Computer No. 5092)
45824/2022/PATRIKA SECTION

नीलगिरीशोलाकिली (13)

कश्मीर-फ्लाईकैचर (14)

ब्लैक-एंड-ऑरेंज-फ्लाईकैचर (15)

एकत्रित की जाती है। ईबर्ड में हम उन पक्षियों के विवरण को रिकॉर्ड कर सकते हैं, जिन्हें हम देखते हैं। यदि आप अपने आसपास अथवा अन्यत्र जगहों पर विभिन्न प्रकार के पक्षियों को खोजना चाहते हैं, तो यह ईबर्ड बहुत ही उपयोगी साइट है। न केवल इतना ही बल्कि भारत में पक्षी प्रवासन और मानसून-वर्षा के बीच संबंध निर्धारित करने में वैज्ञानिक ईबर्ड डाटाबेस का इस्तेमाल करते हैं। इसका उपयोग जलवायु परिवर्तन के कारण पक्षी-परिक्षेपण में बदलाव को देखने और प्रवासन मार्गों को जानने के लिए भी किया जाता है।

शुरुआत में मेरे पास कोई फोटोग्राफी का उपकरण नहीं था। जल्द ही मैंने कैनन 100-400 एम एम आइएस IS II लेंस और कैनन 80 डी खरीदा। हाल ही में मैंने कैनन1 डीएक्स मार्क 3 कैमरा बॉडी और कैनन 300 एम एम आइएस II एफ2.8 लेंस लिया है। आमतौर पर पक्षियों की तस्वीरें लेने के लिए टेलीफोटो लेंस को प्राथमिकता दी जाती है। हालांकि उपकरण अच्छी गुणवत्ता की छवियों को लेने में मददगार है, लेकिन बर्डिंग में कितने महंगे कैमरे का हम इस्तेमाल करते हैं, वह मायने नहीं रखता। इसके विपरीत हम कितने अच्छे से पक्षियों को देखते हैं, गौर करते हैं और बर्डिंग के लिए बिताए गए पलों से जो खुशी मिलती है, वह मायने रखती है।

हम स्कूल में पढ़ा करते थे कि पक्षी न केवल पर्यावरण का एक आकर्षक जीव है अपितु खाद्य श्रृंखला का भी एक अभिन्न हिस्सा हैं। पक्षी कीड़े-मकोड़े, लार्वा, कृंतकों, सांपों आदि को खाकर परिस्थितिक तंत्र (ecosystem) को संतुलित रखते हैं। यहाँ तक कि पक्षी प्रकृति को मृत और क्षय पदार्थ से साफ रखने में मदद करते हैं। इतना ही नहीं पक्षी प्राकृतिक बीज फैलाव और पौधों के प्रसार में मददगार हैं। लेकिन जब मैंने बर्डवॉचिंग शुरू किया, तब मैं खुद यह नहीं जानती थी कि धीरे-धीरे प्रकृति के सौंदर्य और पक्षियों के प्रति मेरा लगाव और आकर्षण बढ़ता जाएगा। घंटों पक्षी की ताक में मेरा समय हरियाली में बीत रहा था। जब भी मुझे बैंक से छुट्टी मिलती, खुले आसमा के तले स्वच्छ हवा के झोंके, सूरज की किरणे महसूस करने, पक्षियों की चहचहाहट सुनने के लिए मेरा मन लालायित हो उठता। झट से मैं अपना फोटोग्राफी उपकरण लेकर पक्षियों के प्राकृतिक-वास जगहों पर पहुँच जाती। शहर के शोर-शराबे से दूर इन प्राकृतिक जगहों में मुझे जो शांति मिलती है, उसे मैं शब्दों में बयान नहीं कर सकती।

मुझे इस बात से दुख होता है कि प्रदूषण, कीटनाशकों के अधिक उपयोग, आधुनिकीकरण और व्यापक विकिरण के कारण कई पक्षी विलुप्त हो रहे हैं। आज विकास और प्रौद्योगिकी के उन्नयन के नाम पर हम पक्षियों का प्राकृतिक-वास छीन रहे हैं। इस धरती पर पक्षियों की रक्षा के लिए आइए हम सब अपने-अपने घर के आसपास कुछ पौधे लगाएं और रोज उन्हें सींचे, ताकि बड़े होने पर ये पेड़ पक्षियों का बसेरा बने और रोज सुबह पक्षियों की मधुर चहचहाहट से हमारे दिन की शुरुआत हो।

• श्वेता के
प्रबंधक
स्थानीय प्रधान कार्यालय, बेंगलूरु

Generated from eOffice by SUNITA AGNIHOTRI, ASO(PATRIKA) SA, ASSISTANT SECTION OFFICER, Department of Official Language on 09/11/2022 10:44 AM